(74)

शरीर में आरोग्यता की गारंटी देता है आयुर्वेद : प्रो. एके सिंह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के पुण्यतिथि समारोह के अंतर्गत गोरखनाथ मंदिर में आयोजित सात दिवसीय संगोष्ठी के तीसरे दिन 'आयुर्वेद संपूर्ण आरोग्यता की गारंटी' विषय पर मंथन हुआ। बतौर मुख्य वक्ता महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत में हजारों वर्ष से आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति स्वीकार्य रही है और आज भी उसकी उतनी ही स्वीकार्यता है। ऐसा इसलिए कि यह शरीर में आरोग्यता की गारंटी देने वाली पद्धति है।

प्रो. सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति में वैद्य का स्थान गुरुतुल्य बताया गया है। शास्त्रों में देवताओं के वैद्य अश्विनी कुमार का वर्णन मिलता है। आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करने के साथ ही रोगी के उपचार की विधि बताता है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना करने के बाद जीवों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद का ज्ञान प्रदान किया। आयुर्वेद में इलाज की पद्धति की जानकारी देते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि हमारे शरीर में वात, पित्त और कफ त्रिदोष होते हैं। इनपर नियंत्रण कर ही हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। विशिष्ट वक्ता महंत शिवनाथ ने कहा कि आयुर्वेद से योग को अलग नहीं किया जा सकता। आयुर्वेद और योग जीवन को सदैव नवीनता प्रदान करते हैं।

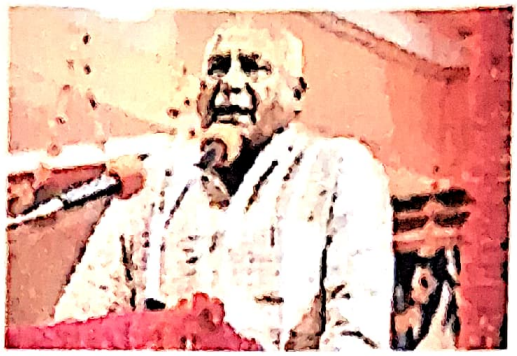

राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित करते आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह।

आयुर्वेद से शरीर स्वस्थ होता है तो योग से मन स्वस्थ और शांत होता है। इस दौरान योगी कमलनाथ, महंत रवींद्र दास, महंत संतोषदास, महंत पंचाननपुरी आदि मौजूद रहे। संचालन माधवेंद्र राज ने किया।